an>

Title: Need to restart the fertilizers factory at Barauni in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने बिहार के बरौनी खाद कारखाने को बंद करते समय संसद में आश्वासन दिया था कि जब गैस आधारित यूरिया के उत्पादन के लिए कारखानों को चालू किया जाएगा तो बरौनी खाद कारखाना को चालू करने में प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार गैस यूरिया खाद के बंद हुए कारखाने को पुनर्जीवित करने के लिए निर्णय कर रही है। इसमें बरौनी खाद कारखाने को सबसे अंत में रखा गया है। सरकार का दिया हुआ आश्वासन एक कोरे कागज का टुकड़ा नहीं है। इसकी साख, प्रतिष्ठा, इसका जनता के साथ जुड़ा हुआ विश्वास है। केन्द्र सरकार बरौनी खाद कारखाने का पुनर्निर्माण करे और यदि ऐसा नहीं हुआ तो बिहार की जनता को दिया गया आश्वासन एक विश्वासघात होगा। अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार का आश्वासन हमारे लिए एक बहुत बड़ी अमानत है। हमारी अमानत के साथ सरकार का यह रुख दुखद है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि वह मेरे द्वारा दिए गए जो तथ्य है, उनको खंगाल कर देखें और अपने पूर्व के निर्णय को कार्यान्वित करने के लिए बाध्य हो। मैं इस ओर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

बरौनी खाद कारखाना 15 वर्षों से मृत पड़ा हुआ है। करोड़ों रूपये की संपति बर्बाद हो चुकी है। सैकड़ों आवासी भवन भूतहा घर बन चुके हैं। तत्कालीन केन्द्र सरकार ने लोक सभा में बंद करने के प्रश्न पर राष्ट्र को आश्वस्त किया था कि गैस उत्पादित यूरिया का उत्पादन ही लाभकारी होगा। हल्दिया-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन बिछाई जा रही है। यह कार्य इतनी मंथर गति से चल रहा है कि इसे पूरा करने में वर्षों लगेंगे। वर्तमान केन्द्र सरकार जनता की आस्था का संवाद लेकर आई है। वह बरौनी खाद कारखाने को अविलंब चालू कराने के लिए गैस पाइप लाइन बिछाने के कार्य को प्राथमिकता दे।